पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – गद्य एवं काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'मेघदूतम्' में प्रयुक्त छन्द का नाम लिखिए।
2. विन्ध्याचल पर्वत की तलहटी में बहने वाली नदी का नाम लिखिए।
3. 'अनति प्रौढ़वंश प्रकाशै' में अलंकार बताइए।
4. 'निशीथ' का क्या अर्थ है ?
5. दमयन्ती के पिता का नाम लिखिए।
6. तपर्तु शब्द का अर्थ लिखिए।
7. षडानन कौन है ?
8. बर्ह का क्या अर्थ है ?

खण्ड—ब

9. 'रिक्तः सर्वो भवति हि लघु पूर्णता गौरवाय' की व्याख्या कीजिए।
10. मेघ की विशेषताओं को लिखिए।
11. 'अधीतिबोधाचरयप्रचारणैः' को स्पष्ट कीजिए।
12. दमयन्ती के गुणों का वर्णन कीजिए।
13. "उमेति मात्रा तपसो निषिद्धा ....." की व्याख्या कीजिए।
14. शिवजी के गणों की दशा का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

नोट : सप्रस[illegible] किन्हीं **तीन** पद्यों की व्याख्या कीजिए :

15. तत्र स्कन्दं नियतवसतिं पुष्पमेधीकृतात्मा,
    पुष्पासारैः स्नपयतु भवाव्योम गंगा जलाद्रैः।
    रक्षाहेतोर्नव शशिमृता वासवीनां चमूनाम्
    अत्यादित्यं हुतवहमुखे सम्भृतं तद्धि तेजः✘

16. तन्वी श्यामा शिखरिदशना पक्वबिम्बाधरोष्ठो,
    मध्येक्षामा चकित हरिणीप्रेक्षणा निम्ननाभिः।
    श्रोणीभारादल सगमना स्तोकनम्रा स्तनाभ्यां,
    या तत्र स्याद् युवतिविषये सृष्टिराद्येव धातुः✘

17. यदस्य यात्रासु बलोद्धतं रजः।
    स्फुरत्प्रतापानल धूममम[illegible]जम।
    तदेव गत्वा पतितं सुधाम्बुधौ,
    दधाति प[illegible]ी भवद[illegible]तां विधौ✘

18. चन्द्रं गता पद्मगुणान्न भुङ्क्ते
    पद्याश्रिता चान्द्रमसीमभिख्याम्।
    उपामुखं तु प्रतिपद्य लोला,

द्विसंश्रयां प्रीतिमवाप लक्ष्मीः✗

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. 'मेघदूतम्' के अनुसार मेघमार्ग का वर्णन कीजिए।
20. महाकवि कालिदास की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
21. राजा नल की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
22. काव्य साहित्य एवं उसके भेद पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. 'मेघदूतम् उच्चकोटि का गीतिकाव्य है।' इसे सिद्ध कीजिए।
24. 'नैषधीयचरितम्' के रचयिता का समुचित परिचय दीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – साहित्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'काव्यप्रकाश' में कितने प्रकाश हैं ?
2. काव्य के कितने प्रयोजन हैं ?
3. लक्षणा के कितने भेद होते हैं ?
4. तात्पर्या शक्ति को कौन मानते हैं ?
5. मम्मट के अनुसार रसों की संख्या कितनी है ?
6. काव्य के तत्व के विद्वानों ने काव्य की आत्मा किसे माना है ?
7. आकाश की रक्षा के लिए किसे नियुक्त किया गया ?
8. मतवारिणी की रक्षा के लिए किसे स्थापित किया गया ?

खण्ड—ब

9. अभिधा का स्वरूप क्या है ?
10. शब्द की कितनी शक्तियाँ हैं ?
11. रसों का नाम क्या है ?
12. ध्वनि भेद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
13. आनन्दवर्धन का परिचय दीजिए।
14. नान्दी का स्वरूप कैसा होता है ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. गौणी लक्षणा कहाँ होती है ?
16. व्यभिचारी भावों के नाम लिखिए।
17. ध्वनि का लक्षण लिखिए।
18. कुन्तक प्रतिपादित वक्रोक्ति के भेद बताइए।

सत्रीय कार्य–3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. मम्मटानुसार काव्यलक्षण लिखिए।
20. ध्वनि के मुख्य भेदों के नाम लिखिए।
21. ध्वनि विरोधी अभाववादियों के मत का मूल्यांकन कीजिए।
22. अभिनेता के कौन-कौन से गुण अपेक्षित हैं ?

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. ध्वनिभेद का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
24. विविध नाट्प्रवृत्तियों के लक्षण और भेदों की विवेचना कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – नाटक तथा नाट्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'मुद्राराक्षस' में अंगी रस कौनसा है ?
2. सिद्धार्थक कौन थे ?
3. 'वेणीसंहार' में किस गुण की प्रधानता है ?
4. दुर्योधन की पत्नी का क्या नाम है ?
5. चारुदत्त की पत्नी का क्या नाम है ?
6. 'धृतः शरीरेण मृतः स जीवति' किसका कथन है ?
7. नायक में सात्विक गुण कितने होते हैं ?
8. रौद्र रस में किस वृत्ति का प्रयोग होता है ?

खण्ड—ब

9. 'मुद्राराक्षस' नाटक की विशेषताएँ क्या हैं ?
10. मलयकेतु का परिचय दीजिए।
11. 'वेणीसंहार' नाटक के रचयिता का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
12. अर्जुन की प्रतिज्ञा क्या थी ?
13. वसन्तसेना का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
14. विष्कम्भक किसे कहते हैं ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. 'मुद्राराक्षस' नाटक का कथासार लिखिए।
16. भट्टनारायण कृत 'वेणीसंहार' नाटक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
17. वसन्तसेना चारुदत्त के किन गुणों से प्रभावित थी ?
18. आचार्य धन◇जय कृत 'दशरूपकम्' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. 'वेणीसंहार' के प्रथम एवं द्वितीय अंक के किन्हीं **दो-दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए।
20. 'मृच्छकटिकम्' कथा के चतुर्थ अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए।
21. नाटक या रूपक के दस लक्षणों की विस्तृत विवेचना कीजिए।
22. नायिका के विविध भेदों तथा उनके अलंकारों का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. 'मुद्राराक्षस' नाटक की पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।
24. 'मृच्छकटिकम्' की कथावस्तु तथा काव्यात्मकता की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – भारतीय समाज एवं पर्यावरण **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. वायुपुराण में प्रमुखतः किनका वर्णन है ?
2. किस उपनिषद् में पुराणों को पंचम वेद कहा गया है ?
3. आदिपुराण किसे कहते हैं ?
4. आकार में सबसे बड़ा पुराण कौन-सा है ?
5. किसके विरोध पर राजा को पदच्युत कर दिया जाता है ?
6. तत्वज्ञान उपदेशक को क्या कहते हैं ?
7. प्राचीन भारत में जलशुद्धि हेतु किस पदार्थ का प्रयोग होता था ?
8. गौ को किस वेद में माता कहा गया है ?

खण्ड—ब

9. पुराण का लक्षण लिखिए।
10. शिव से सम्बन्धित किन्हीं **तीन** पुराणों के नाम लिखिए।
11. यम और नियम में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
12. आश्रम जीवन का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
13. वैदिक आर्यों की वेशभूषा का परिचय दीजिए।
14. वैदिककाल में त्रिदेवों में किनकी गणना होती है ?

सत्रीय कार्य– 2
(Assignment—2)

खण्ड—स

15. पर्यावरण की परिभाषा लिखिए।
16. संस्कृत साहित्य में राजा के गुणों पर प्रकाश डालिए।
17. विष्णुपुराण एवं वायुपुराण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
18. श्रमण धर्म के अष्टांगिक मार्ग का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3
(Assignment—3)

खण्ड—द

19. श्रमण धर्म की अनुशासन भावना पर प्रकाश डालिए।
20. भागवत पुराण की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
21. सामाजिक व्यवस्था में विवाह के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।
22. वैदिक साहित्य में ऊर्जा के विभिन्न नामों को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4
(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. पर्यावरण संरक्षण हेतु किए जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों का विवेचन कीजिए।
24. संस्कृत साहित्य में वर्णित प्राचीन दण्ड व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**